Citizens Foundation
Making People Self Reliant

गोलकीपर्स समाचार पत्रिका

संस्करण-48 अक्टूबर - 2025

इस संस्करण में

01

वॉक फॉर वाइल्डलाइफ़ : झारखंड सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, SAIL और सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन के सहयोग से संरक्षण की ओर एक कदम! का सफल आयोजन

02

शिक्षा और खाद्य सुरक्षा से ग्रामीण सशक्तिकरण – झारखंड में खूंटी के कर्रा ब्लॉक में बदलाव की पहल

संदेश

मैं वास्तव में मंडिया ब्लॉक के 15 गाँवों में सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन द्वारा LTIMindtree के सहयोग से चलाए जा रहे इंटीग्रेटेड विलेज डेवलपमेंट प्रोग्राम (IVDP) के प्रभावशाली कार्य से अत्यंत प्रभावित हूँ। स्वास्थ्य शिविर, पोषण सहायता, VHSND सत्रों और बाढ़ प्रभावित मंडिया पाथर में ऊँचे शौचालयों के निर्माण जैसी पहलों के माध्यम से टीम ने समुदाय के स्वास्थ्य और कल्याण में सराहनीय सुधार किया है।

हमारे ब्लॉक की ओर से मैं सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन, LTIMindtree फ़ाउंडेशन और परियोजना टीम के सभी सदस्यों का हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करता/करती हूँ और आश्वासन देता/देती हूँ कि भविष्य की पहलों में हमारा पूरा सहयोग बना रहेगा।

खान्दकार मजीबर रहमान

ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक (स्वास्थ्य)
मंडिया ब्लॉक, बरपेटा, असम

सचिव की कलम से

सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन की ओर से शुभकामनाएँ!

सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन में, इस महीने के हमारे प्रयास समावेशी और सतत विकास के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। सिक्किम के दुर्गम गाँवों में सौर प्रकाश व्यवस्था, "वॉक फॉर वाइल्डलाइफ़" अभियान, मेघालय में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, और असम में चूज़ा हैचरी जैसी आजीविका पहल — हर परियोजना जमीनी स्तर पर सार्थक बदलाव ला रही है। ये सभी पहल हमारे उस दृष्टिकोण को साकार करती हैं जिसमें हम अवसर, दृढ़ता और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से समुदायों को सशक्त बनाकर एक उज्जवल और समानतापूर्ण भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं।

गणेश रेड्डी

संस्थापक एवं सीईओ, सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन / सचिव, (यूएन जीसीएनआई)

वॉक फॉर वाइल्डलाइफ़ :

झारखंड सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, SAIL और सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन के सहयोग से संरक्षण की ओर एक कदम! का सफल आयोजन

71वें वन्यप्राणी सप्ताह 2025 के अवसर पर, झारखंड सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने SAIL और सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन के सहयोग से 5 अक्टूबर को 10 किलोमीटर का "वॉकथॉन – वॉक फॉर वाइल्डलाइफ़" का सफल आयोजन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री अबूबक्कर सिद्दीक़ पी (IAS), सचिव, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, श्री अशोक कुमार (IFS), प्रधान मुख्य वन संरक्षक (HoFF), श्री परितोष उपाध्याय (IFS), प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव), श्री जब्बर सिंह (IFS), निदेशक, भगवान बिरसा जैविक उद्यान, तथा श्री एस. आर. नटेश (IFS), मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव), रांची, झारखंड एवं सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन के संस्थापक सह सचिव श्री गणेश रेड्डी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में 4000 से अधिक नागरिकों, विद्यार्थियों, वन अधिकारियों और प्रकृति प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, सभी का उद्देश्य एक था – वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण की रक्षा। हम सभी प्रतिभागियों, स्वयंसेवकों और साझेदारों का हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं, जिनके सहयोग से यह आयोजन सफल रहा। आइए, हम सब मिलकर एक हरा-भरा, सुरक्षित और सतत ग्रह बनाने की दिशा में आगे बढ़ते रहें!

उजाले की ओर कदम :

सिक्किम के पाकयोंग ज़िले के 19 गाँवों में 190 सोलर लाइट्स से नई रोशनी

सिक्किम में एचआरडीपी सिमाना परियोजना के अंतर्गत सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन ने पाकयोंग ज़िले के 19 गाँवों में सफलतापूर्वक 190 सोलर स्ट्रीट लाइट्स स्थापित की हैं — प्रत्येक गाँव में 10 लाइटें। यह पहल दुर्गम और सीमा क्षेत्रों, जैसे भारत-चीन सीमा के निकट स्थित गनाथांग जैसे गाँवों में लोगों के दैनिक जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है।

सोलर स्ट्रीट लाइट्स की स्थापना से अनेक लाभ हुए हैं — अंधेरा होने के बाद सुरक्षित आवागमन, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा में वृद्धि, स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों और सार्वजनिक स्थलों में बेहतर प्रकाश व्यवस्था, तथा स्थानीय व्यापार और रात्रिकालीन गतिविधियों को प्रोत्साहन। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाले इलाकों में सतत ऊर्जा समाधान पहुँचाकर यह परियोजना न केवल तात्कालिक जरूरतों को पूरा कर रही है, बल्कि दीर्घकालिक मजबूती और समावेशी विकास की दिशा में भी एक अहम कदम साबित हो रही है।

सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन और VEDANTA ESL CSR के सहयोग से बोकारो, झारखंड में किशोर स्वास्थ्य सशक्तिकरण

सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन द्वारा वेदांता ईएसएल, सीएसआर के सहयोग से आरोग्य परियोजना के तहत बोकारो के +2 हायर सेकेंडरी स्कूल में मासिक स्वच्छता प्रबंधन पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में कुल 138 किशोरियों ने भाग लिया और सुश्री कल्पना एवं श्री एस. आर. त्रिपाठी (सीएसआर टीम) से मासिक स्वच्छता के महत्व और सही देखभाल के तरीकों पर उपयोगी जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के बीच सेनेटरी पैड, साबुन और आयरन-फोलिक एसिड (IFA) टैबलेट्स का वितरण भी किया गया ताकि स्वस्थ मासिक स्वच्छता आदतों को बढ़ावा दिया जा सके।

सत्र में शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जहाँ श्रीमती सुधा ने स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश साझा किए।

विद्यालय की प्रधानाचार्या ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन व वेदांता ईएसएल सीएसआर टीम के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने बोकारो में किशोरियों के स्वास्थ्य और कल्याण को सशक्त बनाने की दिशा में यह सराहनीय पहल की।

शिक्षा और खाद्य सुरक्षा से ग्रामीण सशक्तिकरण – झारखंड में खूंटी के कर्रा ब्लॉक में बदलाव की पहल

इंटीग्रेटेड विलेज डेवलपमेंट प्रोग्राम (IVDP) के तहत, सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन ने एलटीआई माइंडट्री फ़ाउंडेशन के सहयोग से झारखंड के कर्रा क्षेत्र के ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य जारी रखा है।

इस पहल के अंतर्गत, कर्रा के 100 आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को प्रत्येक को ₹2,500 की वित्तीय सहायता प्रदान की गई, ताकि वे अपनी पढ़ाई जारी रख सकें और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर बढ़ सकें।

शैक्षिक सहायता के साथ-साथ, सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन और एलटीआई माइंडट्री फ़ाउंडेशन ने कुडलुम, जुर्दाग और कर्रा पंचायतों की 651 जरूरतमंद परिवारों तक पहुँच बनाते हुए सूखा राशन वितरण अभियान भी चलाया।

यह संयुक्त प्रयास न केवल शिक्षा और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि ग्रामीण समुदायों में सम्मान, आत्मनिर्भरता और समावेशी विकास को सशक्त रूप से बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को भी दोहराता है।

क्लिनिक ऑन व्हील्स :

ईस्ट खासी हिल्स, मेघालय के दुर्गम समुदायों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच

सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन ने एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स ज़िले में संजीवनी परियोजना के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण पहल — "क्लिनिक ऑन व्हील्स" की शुरुआत की है।

इस पहल का उद्देश्य दूरस्थ और वंचित समुदायों तक आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाना है, ताकि लोगों को उपचार के लिए लंबी दूरी तय न करनी पड़े और उन्हें अपने क्षेत्र में ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ मिल सकें।

उद्घाटन समारोह में श्री विशमैनली पामधाई, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कार्यालय, उपस्थित रहे। उन्होंने सभी साझेदार संस्थाओं के सामूहिक प्रयासों की सराहना की और इसे एक स्वस्थ एवं समावेशी समाज की दिशा में सराहनीय कदम बताया।

यह पहल इस विश्वास को मज़बूत करती है कि चाहे गाँव कितना भी दूर हो या रास्ता कितना भी कठिन — गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ सभी तक पहुँचना हमारा साझा लक्ष्य है।

असम, हैलाकांडी के बकरीहावर-I गाँव में चूज़ा हैचरी यूनिट

सारांश: असम के हैलाकांडी ज़िले के अल्गापुर ब्लॉक में स्थित बकरीहावर-I गाँव मुख्यतः कृषि पर आधारित है। फिर भी, युवाओं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों में बेरोज़गारी की समस्या बनी हुई है, क्योंकि सतत आजीविका के अवसर सीमित हैं। इसी आवश्यकता को देखते हुए, एलआईसीएच-एफएल के सहयोग से सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन द्वारा लागू हृदय परियोजना (HRIDAY Project) के तहत गाँव में एक चूज़ा हैचरी यूनिट शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य बेरोज़गार युवाओं और वंचित समूहों को सशक्त बनाना है।

परिणाम: इस पहल के माध्यम से युवाओं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों को कौशल विकास, रोज़गार सृजन, और आय वृद्धि के अवसर मिले हैं। लाभार्थियों को हैचरी प्रबंधन, चूज़ा पालन, और विपणन तकनीकों की व्यावहारिक जानकारी दी गई, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सके। इस परियोजना ने न केवल बेरोज़गारी में कमी लाई है, बल्कि ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देकर सामुदायिक आर्थिक विकास में भी योगदान दिया है।

प्रमुख प्रभाव:

- ✓ प्रत्येक लाभार्थी की मासिक आय में ₹10,000 से ₹15,000 तक की वृद्धि दर्ज की गई।
- ✓ हैचरी यूनिट के माध्यम से समुदाय में नए रोज़गार के अवसर पैदा हुए — जैसे चूज़ा देखभाल, चारा प्रबंधन और विपणन।
- ✓ लाभार्थियों ने हैचरी संचालन से जुड़ी तकनीकी और उद्यमिता कौशल हासिल किए, जिससे उनकी रोज़गार योग्यता बढ़ी।
- ✓ चूज़ों के उत्पादन में वृद्धि से स्थानीय पोल्ट्री व्यवसाय को बल मिला और इसका प्रभाव बराक वैली क्षेत्र तक देखा गया।

निष्कर्ष: हृदय परियोजना के अंतर्गत चूज़ा हैचरी पहल ने यह साबित किया है कि पारंपरिक कृषि पद्धतियों को आधुनिक आजीविका रणनीतियों से जोड़कर किस तरह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत किया जा सकता है। बकरीहावर-I गाँव में युवाओं और वंचित समूहों को सशक्त बनाकर इस परियोजना ने न केवल व्यक्तिगत आय में वृद्धि की है, बल्कि समुदाय के सामाजिक-आर्थिक विकास में भी अहम भूमिका निभाई है।

यह मॉडल इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोज़गारी कम की जा सकती है और सतत आजीविका के अवसर बढ़ाए जा सकते हैं।

GOALKEEPERS, MONTHLY NEWSLETTER
(For Internal Circulation Only)
CITIZENS FOUNDATION
Content: Knowledge Management Team
Editor: Priya Barla & Kajal Kumari

Follow us @